गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज में मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन

जब तक हम दायरे से बाहर नहीं सोचेंगे तब तक कुछ नया नहीं कर पाएंगे, इस दुनिया में सफल वही लोग कहलाए हैं जिन्होंने दायरे से बाहर जाकर असंभव को संभव कर दिखाया है। ' प्रसिद्ध मोटिवेशनल गुरु सुशील चौधरी ने राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में विद्यार्थियों को संबोधत करते हुए यह बात कही।

महाविद्यालय के सहायक निदेशक टी आर राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि 'बियोंड द बाउंड्री' विषयक इस कार्यशाला के प्रारंभ में प्राचार्य पी एस टाक ने चौधरी का स्वागत किया। विद्यार्थियों को मोटिवेट करते हुए चौधरी ने कहा कि वास्तविकता आपके समर्पण के अनुरूप आकर लेती है। उन्होंने बताया कि किस तरह जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने रचनात्मकता को ही भविष्य में सफलता की कुंजी बताते हुए कहा था कि आप चीजों को देखते हैं; और आप कहते हैं 'क्यों।? 'लेकिन मैं उन चीजों का सपना देखता हूं जो कभी नहीं थीं; और मैं कहता हूं 'क्यों नहीं।?' प्रारंभ में टी आर ने चौधरी का परिचय प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों का स्वागत किया।